टिप्पणी

27

फोटो पत्रकारिता

मनुष्य की सीखने तथा अपने ज्ञान विस्तार की हमेशा से आकांक्षा रही है। ऐसा उसने नये स्थानों की यात्रा करके किया। मनुष्य ने जो नयी चीजें देखीं उसके चित्र बनाए या अपनी यात्रा का व तांत लिखा। इसके बाद मुद्रण आया। मुद्रण लिखित शब्दों को लोगों के बीच में ज्यादा लोकप्रिय कर सकता था। मुद्रित शब्द हाथ से बनी तस्वीरों के साथ होते थे जो बताते थे कि क्या लिखित है। इससे चीजों के बारे में लोगों का ज्ञान बढ़ा तथा जिसके बारे में लिखा गया था उसे वे कल्पना में चित्रित कर सके। फोटोग्राफी के आगमन के साथ समाचार ज्यादा अधिकार तथा ध्यानकर्षण के साथ तस्वीर सहित दिए जा सके। फोटोग्राफ ने पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित लिखित समाचारों का सहायक बनना शुरू कर दिया तथा इस प्रकार फोटो पत्रकारिता का जन्म हुआ।

उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के उपरांत आप निम्नांकित कर सकेंगे–

- फोटो पत्रकारिता का अर्थ स्पष्ट करना;
- फोटो पत्रकारिता की प्रकृति तथा क्षेत्र की चर्चा;
- फोटो पत्रकारिता में संयोजन की महत्ता का वर्णन;
- 'फोटो फीचर' तथा 'फोटो संपादक' शब्दों की व्याख्या।

27.1 फोटो पत्रकारिता का अर्थ

हर सुबह हम उठते हैं और समाचार पत्र पढ़ते हैं। इसमें हमेशा प्रथम प ष्ठ पर एक तस्वीर

होती है जो दिन की महत्वपूर्ण खबर को दिखाती है। इस तरह की तस्वीर फोटो पत्रकारिता का परिणाम है।

जबसे फोटोग्राफी विकसित हुई तथा इसका उपयोग आसान हुआ, यह प्रयोग की द ष्टि से विशेषीकृत होती गयी। इससे आप समझ सकते हैं फोटोग्राफी की खोज के बाद जल्द ही लोग हर्षित हो गये तथा अपने फोटोग्राफ लेने में सक्रिय हो गये। जल्द ही वे कैमरे के साथ यात्रा करने लगे, दूर स्थित जगहों की तस्वीरें लेने लगे तथा इसे उन लोगों को दिखाने लगे जो उन जगहों पर नहीं जा सकते थे।

दुनिया में युद्ध होते रहते थे और फोटोग्राफरों ने वहाँ जाकर तस्वीरें उतारीं। इस तरह के फोटोग्राफर पहले युद्ध फोटो पत्रकार थे। अभी इन तस्वीरों को लिखित समाचारों के साथ प्रकाशित करना संभव नहीं था।

सन् 1880 के लगभग हाफटोन नामक प्रौद्योगिकी आविष्कृत हुई जिसकी मदद से समाचार पत्रों में फोटोग्राफों का प्रकाशन संभव हुआ। फोटो पत्रकारिता जैसा कि आज हम जानते हैं आजकल न्यूज फोटोग्राफी नाम से जानी जाती है। फोटोग्राफ जो किसी समाचार के सहायक होते हैं इस श्रेणी में आते हैं तथा वह फोटोग्राफर जो इस क्षेत्र में विशेषीकृत होते हैं फोटो पत्रकार कहलाते हैं।

अब हम फोटो पत्रकारिता के विविध रूप स्पष्ट करेंगे:–

- **खेल फोटो पत्रकारिता:** चूँकि खेल आयोजन समाचारों का एक बड़ा भाग होते हैं, इसमें ऐसे फोटो पत्रकार भी होते हैं जो खेलों के छायांकन के विशेषज्ञ होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खेल फोटोग्राफी विशेषीकृत कौशल तथा उपकरणो ंकी मांग करती है। आजकल के फोटो पत्रकार ऐसे भी हैं जो किसी एक खेल के विशेषज्ञ होते हैं। उदाहरणार्थ भारत में बहुत से फोटोग्राफर हैं जो क्रिकेट फोटोग्राफी को समर्पित हैं क्योंकि क्रिकेट भारत में सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है जो साल भर दिन हो या रात खेला जाता है।

चित्र 27.1: (क) खेल फोटोग्राफी

चित्र 27.1: (ख) खेल फोटोग्राफी

चित्र 27.1: (ग) खेल फोटोग्राफी

- **युद्ध फोटो पत्रकारिता :** यह फोटो पत्रकारिता का आरम्भिक रूप है जब फोटो पत्रकार युद्ध कवर करते थे तथा लड़ाई के मैदान से तस्वीरें भेजते थे। भारत में हम समाचर पत्रों में देश के भीतर के संघर्ष जैसे आतंकी गतिविधि या दंगों की तस्वीरें देखते हैं जहाँ फोटोग्राफर खतरनाक परिस्थितियों में होता है तथा अपने जीवन को खतरे में डालकर हमें तस्वीरें उपलब्ध कराता है।

चित्र 27.2 : युद्ध फोटोग्राफी

- **ग्लैमर फोटो पत्रकारिता :** फिल्मी सितारे तथा अन्य प्रसिद्ध व्यक्तित्व खबरों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गये हैं क्योंकि अधिकांश लोग प्रसिद्ध तथा संपन्न लोगों के जीवन में झांककर देखना चाहते हैं। अनेक फोटो पत्रकार हैं जो इस तरह की फोटोग्राफी में विशेषज्ञ हैं। इन्हें पापरैजी भी कहा जाता है जो इटैलियन भाषा का शब्द है।

- **तात्कालिक समाचार फोटो पत्रकारिता :** इसका आशय उन घटनाओं को कवर करने से है जिनसे दिन–प्रतिदिन की खबरें बनती हैं, जैसे राजनैतिक गतिविधियां, अपराध, दुर्घटनाएं आदि। वस्तुतः यह सर्वाधिक सुलभ तथा सामान्य प्रकार की फोटो पत्रकारिता है तथा जो फोटो पत्रकार के लिए सबसे ज्यादा मांग वाली भी है।

चित्र 27.3: (क) तात्कालिक समाचार फोटोग्राफी

चित्र 27.3 : (ख) तात्कालिक समाचार फोटोग्राफी

यात्रा फोटो पत्रकारिताः इस तरह की फोटो पत्रकारिता में किसी क्षेत्र के भौगोलिक सौन्दर्य, निवासी, संस्कृति, परम्पराएं तथा इतिहास का दस्तावेज तैयार किया जाता है।

यात्रा फोटोग्राफ व्यावसायिक तथा शौकिया दोनों तरह के फोटोग्राफरों द्वारा लिए जाते हैं। शौकिया लोगों द्वारा खींचे हुए फोटोग्राफ इंटरनेट के माध्यम से मित्रों, रिश्तेदारों आदि से फोटोशेयरिंग बेबसाइट द्वारा एक–दूसरे को सुलभ होते हैं।

चित्र 27.4: यात्रा फोटोग्राफी

- **वन्य जीवन फोटो पत्रकारिता :-** यह फोटो पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण रूपों में से एक माना जाता है। उच्चीकृत फोटोग्राफी उपकरणों के साथ–साथ जानवरों के व्यवहार की अच्छी समझ तथा क्षेत्र की समझ वन्य जीवन फोटोग्राफ लेने के लिए आवश्यक है।

चित्र 27.5: (क) वन्यजीवन फोटोग्राफी

चित्र 27.5: (ख) वन्यजीवन फोटोग्राफी

हालांकि फोटोग्राफी के उपरोक्त रूप अनेक विशेषीकृत फोटो पत्रकारिता रूपों में से कुछ हैं। हर समाचारपत्र के पास अनेक फोटो पत्रकार होते हैं जो उन सभी विषयों को कवर करते हैं दुनिया भर में जिनसे समाचार बनने की संभावना हो।

फोटो पत्रकार दो प्रकार के होते हैं, पहला जो समाचार पत्र में वेतनभोगी कर्मचारी होता है और दूसरा जो स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं जैसे जो स्वतंत्र फोटो पत्रकार के रूप में कार्य करते हैं और अपनी तस्वीरें समाचार पत्रों तथा समाचार समितियों को बेचते हैं।

टिप्पणी

फोटो पत्रकारिता अब केवल समाचार पत्रों तक ही सीमित नहीं रह गयी है। समाचार के स्त्रोत के रूप में इंटरनेट के उभार के साथ ही फोटो पत्रकारिता का क्षेत्र वेब पत्रकारिता तक विस्तारित हो गया है। आप में से जो इंटरनेट उपयोग करते हैं उन्होंने कुछ वेबसाइट देखी होंगी जो समाचार पत्रों की तरह होती हैं। यह साइट भी पत्रकारों तथा फोटो पत्रकारों को अपने संगठन हेतु समाचार एकत्र करने के लिए नियुक्त करती हैं।

अब जबकि बहुत सारे लोगों के पास कैमरायुक्त सेलफोन है यह जानना आपके लिए रुचिकर हो सकता है कि बहुत से समाचार पत्र तथा वेबसाइट हम जैसे लोगों द्वारा भेजे फोटोग्राफ का उपयोग करते हैं। क्योंकि हम आम आदमी के रूप में कई बार उन जगहों पर हो सकते हैं जहाँ समाचार पत्र की द ष्टि से कोई महत्वपूर्ण घटना घट रही हो।

पाठगत प्रश्न 27.1

1. निम्नलिखित में से सत्य तथा असत्य कथन की पहचान करें–

   (i) घटनाएं जिनसे दिन–प्रतिदिन के समाचार बनते हैं उन्हें कवर करना ग्लैमर फोटो पत्रकारिता कहलाता है।

   (ii) युद्ध फोटोग्राफर फोटो पत्रकार नहीं होते।

   (iii) फोटो पत्रकारिता केवल समाचार पत्रों तक सीमित है।

   (iv) वेब आधारित पत्रकारिता फोटो पत्रकारिता को अपने घटकों में से एक के रूप में उपयोग करती है।

   (v) तात्कालिक समाचार फोटो पत्रकारिता के अत्यन्त सामान्य रूपों में से एक है।

27.2 संयोजन

कोई भी तस्वीर खुद बोलनी चाहिए। इसका तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति फोटोग्राफ देख रहा हो उसे तत्क्षण यह समझ में आ जाए कि फोटोग्राफ क्या कह रहा है। कहा भी गया कि 'एक चित्र हजार शब्दों की ताकत रखता है।' इसका तत्पर्य है कि एक चित्र सरलता से एक हजार शब्दों के बराबर संदेशों को संप्रेषित कर सकता है। आपने अनेक फोटोग्राफ देखे होंगे जिनका आपपर गहरा प्रभाव पड़ा है। क्या आपने सोचा कि ऐसा क्यों हुआ। ऐसा इसलिए क्योंकि विषय जिसका फोटो खींचा गया, उसे इस बुद्धिमतापूर्ण तरीके से फ्रेम किया गया कि उसने देखनेवाले पर अपना प्रभाव छोड़ा। विषय के इस समावेशन या चित्र में, फ्रेम में, विषय में समावेश को संयोजन कहा जाता है।

संयोजन विशिष्ट अर्थ में प्रयुक्त होता है जब फोटो पत्रकारिता में लोगों को समाचार सुलभ कराना होता है। यह फोटो खिंचे विषय का समावेशन है जो देखने वाले पर अपना प्रभाव छोड़ता है। अब हम एक परिस्थिति पर विचार करेंगे जिसमें आपको एक गरीब आदमी का फोटोग्राफ प्रदर्शित करना है। आप सड़क पर भीख मांगते किसी भिखारी की सामान्य फोटो खींचकर अपना संदेश संप्रेषित कर सकते हैं। लेकिन यदि यही फोटोग्राफ इस तरह से लिया जाय कि भिखारी कैमरे में सामने हो तथा पीछे एक संपन्न आदमी कार में बैठा हो। ऐसे में यह चित्र ज्यादा प्रभावपूर्ण होगा क्योंकि इसका संयोजन दो लोगों के बीच के विरोधाभास को प्रदर्शित करता है तथा गरीब आदमी की परिस्थिति को अमीर आदमी के समक्ष स्पष्ट करता है।

संयोजन से फोटोग्राफ को आँखों के लिए अपील करने वाला बनाया जाता है। युद्ध तथा खेल के एक्शन फोटोग्राफ एक विशेष ऊर्जा का स जन करते हैं तथा देखने वाला उसे अपने आस–पास महसूस करता है।

संयोजन संतुलन की भी मांग करता है अर्थात् फोटोग्राफ इस तरह से लिया जाय कि देखने पर हमारी आंखें किसी एक हिस्से या कोने में केन्द्रित नहीं हों। विभिन्न विषय इस तरह से संगठित होने चाहिए जिससे तस्वीर का सुखद प्रभाव पड़े। फ्रेमिंग के कुछ सामान्य नियम होते हैं जिनमें से 'तीसरे का नियम' सर्वाधिक सामान्य है। यह नियम स्पष्ट करता है कि फ्रेम में स्थित तत्व इस तरह अवस्थित हों कि वे लगभग उन विभाजक लकीरों पर पड़ें जो फ्रेम को तीन कॉलम तथ रो में बाँटती हैं। हालांकि यह अनिवार्य नियम नहीं है लेकिन यह देखनेवाले पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ने में कामयाब होता है।

कैमरा एंगल अन्य वह तत्व है जो संयोजन को प्रभावित करता है। यदि तस्वीर में एक प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे कोई नेता या फिल्मी व्यक्तित्व है तो फोटो लेते समय कैमरा उनकी द ष्टि रेखा से नीचे रखा जाएगा। ऐसा करने पर वह व्यक्ति ज्यादा बड़ा नजर आएगा। इसी तरह जब व्यक्ति की ऊँचाई से ऊपर से शॉट लेगा तो उसे टॉप एंगल कहेंगे जिसमें व्यक्ति छोटा नजर आएगा। संयोजन के यह सभी प्रकार तस्वीर को ज्यादा प्रभावी बनाने में मदद देते हैं कि क्या वह कहना चाहती है, जिससे दर्शक आसानी से अर्थ को समझ सके।

पाठगत प्रश्न 27.2

1. फ्रेमिंग के बुनियादी नियम का नाम बताएं।
2. संयोजन क्या है?
3. उस कारक की पहचान करें जो संयोजन को प्रभावित करता है।

टिप्पणी

27.3 फोटो फीचर तथा फोटो संपादन

फोटो फीचर को फोटो निबन्ध भी कहा जाता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है यह फोटोग्राफों के माध्यम से किसी विषय पर कहानी या निबंध प्रस्तुत करता है। यह किसी भी विषय कोई स्थान या व्यक्ति जिसका फोटो खींचा गया हो, पर आधारित हो सकता है।

आपने पत्रिकाओं में रोचक विषयों पर फोटो फीचर देखे होंगें। एक फोटो पत्रकार फोटो फीचर कैसे तैयार करता है?

फोटोफीचर सामान्यतः पत्र या पत्रिका के संपादक की डेस्क पर आकार लेता है और फोटो संपादक इसके बारे में निर्देशित करता है।

अब प्रश्न उठता है कि फोटो संपादक कौन है? फोटो संपादक किसी समाचार पत्र या पत्रिका में फोटो विभाग का प्रभारी होता है। यह फोटोग्राफर का चयन करता है तथा उनसे विषय पर चर्चा करता है। वह उस रिपोर्टर का भी चयन कर सकता है जो फोटो निबन्ध के लिए समाचार या विवरण तैयार करे। यह भी फोटो संपादक का कार्य है कि वह स्थिति को स्पष्ट करने वाले सबसे अच्छे चित्रों का चयन करे।

आप पहले ही जान चुके हैं कि एक चित्र हजार शब्दों की ताकत रखता है। इस प्रकार कुछ चित्रों से बना एक अच्छा फोटो–निबन्ध सर्वश्रेष्ठ लिखित निबन्ध से ज्यादा अच्छा प्रभाव छोड़ेगा।

अब हम एक फोटो फीचर का उदाहरण लेंगे जो एक परिवार पर आधारित है तथा इसमें पाँच फोटोग्राफ का चयन होगा जो एक को दूसरे से संबद्ध करते हों। यदि परिवार में माता–पिता, उनकी पुत्री तथा दादा–दादी हों तो आपके पास निम्नांकित फोटोग्राफ हो सकते हैं।

- साथ भोजन करते पूरे परिवार का समूह चित्र।
- काम पर जाते पिता।
- रसोईघर में खाना पकाती माँ।
- स्कूल से घर आती पुत्री।
- टेलीविजन देखते दादा–दादी।

यह कुछ फोटोग्राफ हैं जिनसे उक्त परिवार पर एक संक्षिप्त निबन्ध तैयार होता है। निश्चित तौर पर अन्य अनेक रुचिपूर्ण चित्र भी लिए जा सकते हैं। आप खुद भी अपने से फोटो संपादक हो सकते हैं या किसी बड़े व्यक्ति से सलाह लेकर पारिवारिक फोटो निबंध तैयार कर सकते हैं।

पाठगत प्रश्न 27.3

1. फोटो फीचर क्या है?
2. फोटो संपादक कौन है?
3. फोटो निबंध का अन्य नाम क्या है?

27.4 आपने क्या सीखा

⟶ खेल फोटो पत्रकारिता का अर्थ

⟶ फोटो पत्रकारिता के प्रकार

- खेल फोटो पत्रकारिता
- युद्ध फोटो पत्रकारिता
- ग्लैमर फोटो पत्रकारिता
- तात्कालिक समाचार फोटो पत्रकारिता
- यात्रा फोटो पत्रकारिता
- वन्यजीवन फोटो पत्रकारिता

⟶ फोटोग्राफ संयोजन

- विषय का समावेशन
- संतुलन
- कैमरा एंगल

⟶ फोटो फीचर तथा फोटो संपादन

27.5 पाठान्त प्रश्न

1. फोटो पत्रकारिता क्या है? समाचारपत्रों से उदाहरण सहित व्याख्या करें।
2. फोटो पत्रकारिता में संयोजन का क्या उपयोग है?
3. फोटो फीचर में फोटो संपादक की भूमिका का वर्णन करें।

टिप्पणी

27.6 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

27.1 (i) गलत

(ii) गलत

(iii) गलत

(iv) सही

(v) सही

27.2 1. तीसरे का नियम

2. विषय का समावेशन या पिक्चर फ्रेम के तत्वों में विषयों के समावेशन को संयोजन कहते हैं।

3. कैमरा एंगल

27.3 1. फोटो फीचर फोटाग्राफों की सहायता से किसी विषय पर प्रस्तुत कथा, विवरण का निबंध है।

2. फोटो संपादक वह व्यक्ति है जो किसी समाचार पत्र या पत्रिका में फोटो खण्ड का प्रभारी होता है।

3. फोटो फीचर